टीम इंडिया में वापसी पर भुवनेश्वर कुमार ने तोड़ी चुप्पी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'आवारापन 2' से 'टॉक्सिक' तक ये फिल्में मचाएंगी धूम

Page-05

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान

1 करोड़ से ज्यादा युवाओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य देश के युवाओं को नशे के खिलाफ एकजुट करना और युवाओं की भागीदारी के जरिए भारत को नशामुक्त बनाने की दिशा में जनआंदोलन खड़ा करना है। सरकार का मानना है कि स्वस्थ और नशे से दूर युवा ही विकसित भारत के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।अभियान की शुरुआत के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से आगे आकर इसकी जिम्मेदारी संभालने और अपने आसपास के लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए युवाओं का स्वस्थ रहना और नशे से दूर रहना बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को इस अभियान का नेतृत्वकर्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश की उम्मीदों और उनके भरोसे को मजबूत किया है।इस अभियान की शुरुआत देशभर में बड़े स्तर पर की गई। शुरुआती कार्यक्रम करीब 10 हजार स्थानों पर आयोजित किए गए, जिनमें एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। सरकार की कोशिश है कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित न रहे, बल्कि इसे लगातार चलने वाले जनआंदोलन का रूप दिया जाए। इसी उद्देश्य से अभियान के तहत हर रविवार देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें खेल प्रतियोगिताएं, पैदल यात्राएं, योग कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैलियां और चित्रकला जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। इन कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

ईरान पर नए हमले रोकने को तैयार अमेरिका-इजरायल

ट्रंप का दावा- होर्मुज जल्द खुलेगा; परमाणु मुद्दे पर भी डील

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान तथा मध्य पूर्व के अन्य देशों की अपील के बाद ईरान पर प्रस्तावित नए हमले रोकने का फैसला किया है। ट्रंप के मुताबिक, मध्य पूर्व के देशों ने युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौते की शर्तों पर सहमति जताई है। हालांकि, इस कथित समझौते को लेकर ईरान की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया बेहद महत्वपूर्ण होगी।ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर कहा कि प्रस्तावित समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत और पूरी तरह खोलने की योजना है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए बेहद अहम माना जाता है। ट्रंप के दावे के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान की गतिविधियों के कारण इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर आवाजाही प्रभावित हुई है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सेना ईरान के खिलाफ बेहद बड़े सैन्य अभियान के लिए पूरी तरह तैयार थी। लेकिन ईरान और आसपास के देशों की अपील के बाद अमेरिका ने हमले को रोकने का फैसला किया। ट्रंप के मुताबिक, समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के साथ ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने की शर्त भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही अंतिम समझौता हो जाता है, तो प्रस्तावित हमले हमेशा के लिए रद्द किए जा सकते हैं।ट्रंप ने यह भी दावा किया कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी इस प्रक्रिया में अमेरिका के साथ हैं। उनका कहना है कि दोनों देश मिलकर युद्ध को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।इससे पहले अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की संभावित सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई थीं। ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के खिलाफ बेहद कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। ऐसे में नए हमलों को रोकने का दावा अचानक आए कूटनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के पिछले प्रयास भी टिक नहीं पाए हैं। जून में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष रोकने को लेकर एक शुरुआती समझौता हुआ था, लेकिन बाद में हालात फिर बिगड़ गए। इसके बाद समुद्री मार्ग में जहाजों को निशाना बनाए जाने के आरोपों के बीच अमेरिका ने दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। अब ट्रंप के ताजा दावे के बाद सबकी नजर इस बात पर है कि क्या अमेरिका और ईरान वास्तव में किसी स्थायी समझौते तक पहुंच पाएंगे। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य खुलता है और परमाणु मुद्दे पर सहमति बनती है, तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

अभिजीत दिपके को लेकर नया विवाद

पिता की वित्तीय स्थितिकी जांच की मांग

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को लेकर नया विवाद सामने आया है। सूरत के आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने अभिजीत दिपके के पिता की वित्तीय स्थिति की जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने सीजेपी प्रदर्शनकारियों के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल द्वारा घोषित ₹1 करोड़ के लीगल डिफेंस फंड को लेकर भी चुनाव आयोग और टैक्स अधिकारियों से जांच की मांग की है।तिवारी ने सवाल उठाया है कि महाराष्ट्र सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारी रहे अभिजीत दिपके के पिता ने विदेश में बेटे की उच्च शिक्षा का खर्च किस तरह उठाया। उन्होंने संबंधित आय और वित्तीय स्रोतों की जांच की मांग करते हुए कहा है कि इस मामले में उपलब्ध वित्तीय रिकॉर्ड की पड़ताल होनी चाहिए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि या किसी तरह की अनियमितता साबित होने की जानकारी सामने नहीं आई है।विवाद का दूसरा बड़ा मुद्दा सीजेपी की कानूनी स्थिति और उसके लिए जुटाए जा रहे फंड से जुड़ा है। आरटीआई कार्यकर्ता का दावा है कि कॉकरोच जनता पार्टी एक गैर-पंजीकृत संस्था है, लेकिन राजनीतिक दल के तौर पर गतिविधियां कर रही है। इसी आधार पर उन्होंने चुनाव आयोग से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या सीजेपी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत है।तिवारी का सवाल है कि यदि कोई संगठन चुनाव आयोग में राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत नहीं है, तो क्या वह राजनीतिक दल के नाम पर फंड या डोनेशन जुटा सकता है। उन्होंने चुनाव आयोग से इस पूरे मामले की कानूनी स्थिति स्पष्ट करने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।मामले में कपिल सिब्बल की ओर से घोषित ₹1 करोड़ का लीगल डिफेंस फंड भी जांच के केंद्र में आ गया है। तिवारी ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड से यह पता लगाने की मांग की है कि इस तरह के योगदान पर जीएसटी से जुड़े नियम लागू होते हैं या नहीं।यह मामला दिल्ली में नीट पेपर लीक विवाद को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद सामने आया। सीजेपी ने गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए फंड बनाने की बात कही थी। इसी दौरान कपिल सिब्बल ने ₹1 करोड़ देने की घोषणा की थी। अब इस विवाद में तीन प्रमुख सवाल हैं—अभिजीत दिपके के पिता की वित्तीय स्थिति, सीजेपी का राजनीतिक संगठन के रूप में पंजीकरण और ₹1 करोड़ के लीगल डिफेंस फंड से जुड़े टैक्स नियम। इन सवालों पर संबंधित संस्थाओं की जांच या आधिकारिक प्रतिक्रिया के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

पश्चिम बंगाल में आतंकी साजिश का खुलासा

STF का दावा- CM सुवेंदु अधिकारी की रेकी की थी योजना

पश्चिम बंगाल में स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंध रखने वाले संदिग्ध आतंकी हमिम मंडल की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, हमिम को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उन जगहों की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया गया था, जहां मुख्यमंत्री अपेक्षाकृत कम सुरक्षा के बीच मौजूद हो सकते हैं। हमिम को दो दिन पहले पूर्वी बर्धमान जिले से गिरफ्तार किया गया था।पुलिस अधिकारी गौरव शर्मा के अनुसार, जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान में बैठे कथित हैंडलर हमिम से मुख्यमंत्री की गतिविधियों की जानकारी जुटाने के लिए कह रहे थे। STF अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि उसे किस तरह की सूचनाएं उपलब्ध कराई गईं और इस नेटवर्क में उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे।जांच एजेंसी का दावा है कि हमिम को पुलिस की वर्दी पहनकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी के छात्र प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भी कहा गया था। पुलिस के मुताबिक, कथित योजना का उद्देश्य प्रदर्शन के दौरान अशांति और अव्यवस्था पैदा करना था। इस दावे की जांच के तहत STF हमिम के संपर्कों और कथित हैंडलरों से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों को खंगाल रही है।मामले में हमिम की कथित प्रेमिका अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों पर राज्य के मंत्री उमेश राय के बेटे को कथित तौर पर फंसाकर अगवा करने और परिवार से फिरौती मांगने की योजना बनाने का भी आरोप है। जांचकर्ताओं का कहना है कि अर्पिता नेताओं और अन्य प्रभावशाली लोगों से संपर्क बनाकर उनसे जानकारी हासिल करती थी और उसे हमिम तक पहुंचाती थी।STF के मुताबिक, अर्पिता के व्हाट्सएप चैट की जांच में पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। दोनों के पास से ब्रिटेन और मैक्सिको के अंतरराष्ट्रीय सिम कार्ड मिलने की बात भी सामने आई है। जांच एजेंसी को आशंका है कि इनका इस्तेमाल गुप्त संचार के लिए किया जाता था। पुलिस का दावा है कि हमिम और अर्पिता कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित 'शहजाद भट्टी गैंग' के निर्देश पर काम कर रहे थे। जांच एजेंसी इस नेटवर्क के कथित आतंकी भर्ती, नशीले पदार्थों की तस्करी और युवाओं को उकसाने से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है। हमिम और अर्पिता की मुलाकात करीब चार साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। STF को अर्पिता के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच के दौरान हमिम तक पहुंचने में मदद मिली। फिलहाल अदालत ने हमिम को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। जांच एजेंसियां अब कथित नेटवर्क के दूसरे सदस्यों और इसके पीछे मौजूद लोगों की पहचान करने में जुटी हैं।

पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ बसपा से निष्कासित; आकाश आनंद के ससुर

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी बीच पार्टी प्रमुख मायावती ने संगठन में अनुशासन को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अशोक सिद्धार्थ बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर और मायावती के भतीजे आकाश आनंद के ससुर हैं। मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए उनके निष्कासन की जानकारी दी।मायावती के मुताबिक, अशोक सिद्धार्थ को इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण में कथित मनमानी और पार्टी के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में बसपा से बाहर किया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें इस शर्त के साथ पार्टी में वापस लिया गया था कि भविष्य में वह अनुशासनहीनता या पार्टी निर्देशों के उल्लंघन को दोहराएंगे नहीं।मायावती ने बताया कि उनकी वापसी के बाद अशोक सिद्धार्थ को उत्तर प्रदेश की राजनीति से दूर रखा गया था। उन्हें दूसरे राज्यों में संगठन के विस्तार और पार्टी गतिविधियों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व को उनके कामकाज को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रहीं।बसपा प्रमुख ने कहा कि कर्नाटक, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से अशोक सिद्धार्थ की कार्यशैली को लेकर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। पार्टी नेतृत्व की ओर से उन्हें कई बार चेतावनी भी दी गई, लेकिन मायावती के अनुसार, उनके व्यवहार और काम करने के तरीके में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उन्हें पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया था।

अमेरिका-ईरान युद्ध के मुहाने पर बड़ा यू-टर्न हॉर्मुज और परमाणु कार्यक्रम पर डील का दावा

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े सैन्य हमले की तैयारी का दावा किया है।ट्रंप के मुताबिक, ईरान और मध्य पूर्व के देशों की अपील के बाद हमले को फिलहाल टाल दिया गया है।हॉर्मुज जलडमरूमध्य खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने को संभावित समझौते की शर्त बताया गया है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बजाय लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। यमन के हूथी विद्रोहियों ने लाल सागर में दो सऊदी तेल टैंकरों पर हमले की जिम्मेदारी ली है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब क्षेत्र पहले से ही ईरान-अमेरिका तनाव, गाजा संघर्ष और समुद्री सुरक्षा संकट के कारण बेहद संवेदनशील बना हुआ है। इस हमले ने वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी उद्योग की चिंता को और बढ़ा दिया है।रिपोर्टों के अनुसार हमला लाल सागर के उस हिस्से में हुआ जो बाब-अल-मंदब जलडमरूमध्य के बेहद करीब माना जाता है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक गलियारों में शामिल है, क्योंकि एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के बीच बड़ी मात्रा में तेल, गैस और अन्य सामान इसी रास्ते से गुजरते हैं। यदि यहां सुरक्षा संकट गहराता है, तो जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है और वैश्विक सप्लाई चेन पर इसका असर पड़ सकता है।हूथी विद्रोही लंबे समय से यमन में सक्रिय हैं और उन पर पहले भी तेल प्रतिष्ठानों, बंदरगाहों और समुद्री जहाजों को निशाना बनाने के आरोप लगते रहे हैं। हाल के महीनों में लाल सागर क्षेत्र में कई हमलों और ड्रोन गतिविधियों की खबरें सामने आई हैं, जिसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त सैन्य तैनाती की है। इसके बावजूद हमलों का सिलसिला पूरी तरह थमता नहीं दिख रहा।ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि तेल टैंकरों पर हमले का असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं रहता। जैसे ही समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ता है, बीमा कंपनियां प्रीमियम बढ़ा देती हैं और जहाजरानी कंपनियों की लागत में इजाफा हो जाता है। इसका असर अंततः वैश्विक तेल कीमतों और उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाली ऊर्जा लागत पर पड़ सकता है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों के लिए भी यह स्थिति महत्वपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम एशिया से होने वाली आपूर्ति देश की ऊर्जा सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाती है।अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस हमले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में तनाव कम करने की अपील की है। कई देशों ने लाल सागर और बाब-अल-मंदब मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया है। फिलहाल स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है, क्योंकि यदि ऐसे हमले लगातार जारी रहते हैं तो पश्चिम एशिया में समुद्री संघर्ष का खतरा और बढ़ सकता है, जिसका प्रभाव वैश्विक व्यापार, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर व्यापक रूप से पड़ सकता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसके हमलों का मकसद "ईरान की उस क्षमता को और कम करना था जिससे वह इलाके के पानी से गुज़रने वाले आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों को खतरा पहुंचा सकता है।" अमेरिका होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर फिर से कंट्रोल हासिल करना चाहता है और इंटरनेशनल शिपिंग को बहाल करना चाहता है। ईरान के हमलों के जवाब में, अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर फिर से नाकेबंदी लागू कर दी और पूरे देश में अपने हमले का दायरा बढ़ा दिया। मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया कि अमेरिकी सेना जल्द ही पहाड़ के नीचे गहराई में बन रही ईरान की एक न्यूक्लियर साइट को निशाना बना सकती है।

सेउटा में हजारों की घुसपैठ से मचा हड़कंप, भारत के लिए भी अवैध प्रवासन पर बड़ी चेतावनी

स्पेन के सेउटा में जैसे 50 हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ ने घुसपैठ की और जिस तरह से प्रशासन के हाथ पैर फूले दिखाई दिए वो भारत के लिए बहुत बड़ी चेतावनी है। भारत के एक तरफ पाकिस्तान को दूसरी तरफ बांग्लादेश है जो कंगाल देश हैं। इन देशों में रोजमर्रा की स्थिति इतनी ज्यादा भयावह है कि वहां रहने वाली आबादी भारत को भला बुरा भी कहती है और भारत में ही आकर बसना भी चाहती है। भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी संजय अग्रवाल ने संडे गार्जियन के एक लेख में इस स्थिति को भारत के लिए चेतावनी बताया है।उन्होंने लिखा है 30-31 जुलाई को अचानक और अभूतपूर्व मानवीय और सुरक्षा संकट ने सेउटा की सीमाओं को अस्थिर कर दिया। सेउटा, उत्तरी अफ्रीकी तट पर स्थित 18.5 वर्ग किलोमीटर का स्पेन का एक स्वायत्त शहर है। जिब्राल्टर जलडमरूमध्य पर और मुख्य स्पेन के ठीक सामने स्थित सेउटा अपने सहयोगी शहर मेलिला के साथ मिलकर अफ्रीकी महाद्वीप के साथ यूरोपीय संघ की एकमात्र जमीनी सीमा बनाता है। स्पेन के बॉर्डर पर जब मोरक्को के हजारों शरणार्थियों ने दावा बोला उस वक्त सीमा पर सुरक्षा के लिए सिर्फ 55 स्पेनिश जवान तैनात थे। 50 से 60 हजार शरणार्थियों की भीड़ जब अवैध तरीके से स्पेन की सीमा में घुसी तो वहां की पूरी व्यवस्था चरमरा गई। सेउटा उत्तरी अफ्रीका के तट पर स्थित स्पेन का एक छोटा सा स्वायत्त हिस्सा है। इसकी जमीनी सीमा मोरक्को से मिलती है जो अफ्रीका से यूरोप में घुसने का एक मुख्य रास्ता है।

ऑपरेशन के दौरान आतंकी के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार को जिले के शेरी क्षेत्र के फथागढ़ इलाके में सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के संयुक्त अभियान के दौरान एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह संयुक्त अभियान भारतीय सेना की 46 राष्ट्रीय राइफल्स (RR), बारामूला पुलिस और सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन ने मिलकर चलाया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया, जिसमें एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार आतंकवादी के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। हालांकि, फिलहाल उसकी पहचान और बरामद हथियारों की संख्या व प्रकार का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, मामले में आगे की जांच जारी है और जल्द ही इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी साझा की जाएगी। ये आतंकी कहां से आया और किन-किन मामलों में ये शामिल रहा है। अभी इन सभी एंगल पर जांच एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं। वहीं, दूसरी ओर जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में एक दिन पहले दो प्रवासी मजदूरों की हत्या करने वाले आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सुरक्षाबलों ने शनिवार को तलाश अभियान तेज कर दिया। वहीं, सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस और विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) ने घटना की गहन जांच की मांग की। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पुलिस प्रमुख और अन्य अधिकारियों के साथ सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सुरक्षाबलों को निर्देश दिया कि वे आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अभियान तेज करें। एलजी ने सभी उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा के लिए लागू मानक संचालन प्रक्रियाओं (SoP) की व्यापक समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और पुलिस व अन्य सुरक्षाबलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया।

चीन में भारतीय समुदाय की चिंताएं सामने आईं भारत-विरोधी सामग्री और वीजा प्रतिबंधों पर उठे सवाल

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

(के जे एम वर्मा) बीजिंग, दो अगस्त चीन में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भारतीय दूतावास के हाल के वर्षों में आयोजित पहले 'ओपन हाउस' कार्यक्रम में चीनी सोशल मीडिया पर भारत-विरोधी अपमानजनक सामग्री, भारतीय पेशेवरों को कार्य वीजा मिलने में गिरावट तथा उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर प्रतिबंध सहित कई मुद्दों पर चिंता जतायी। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को इस जनसंपर्क पहल का आयोजन किया, जिसमें बीजिंग में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर शामिल हुए और समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। भारत के राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने एक अन्य राजनयिक (दूतावास, शिक्षा एवं सामुदायिक मामलों) नितिनजीत सिंह तथा दूसरे राजनयिक (वीजा) रमेश सिंह के साथ भारतीय समुदाय के सदस्यों से विभिन्न विषयों पर बातचीत की। बैठक के दौरान जिन प्रमुख चिंताओं को उठाया गया, उनमें चीनी सोशल मीडिया मंचों पर भारतीयों, उनके खान-पान और संस्कृति के खिलाफ बढ़ती अपमानजनक सामग्री, भारतीय पेशेवरों को जारी किए जाने वाले कार्य वीजा की संख्या में कमी, उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर प्रतिबंध तथा दूतावास संबंधी सेवाओं से जुड़ी कठिनाइयां शामिल थीं। मई में चीन में भारत के राजदूत का पद संभालने वाले दुरईस्वामी ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत उन्होंने चीनी अधिकारियों के साथ संपर्क बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह से भारतीय दूतावास भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले चीनी नागरिकों के लिए आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया को और सरल बनाएगा, ताकि भारत की यात्रा को बढ़ावा दिया जा सके। चीनी सोशल मीडिया पर भारत-विरोधी और अपमानजनक सामग्री को लेकर जताई गई चिंताओं के जवाब में दुरईस्वामी ने कहा कि चीनी सरकार भी इस तरह की सामग्री में बढ़ोतरी को लेकर चिंतित है और इससे निपटने के लिए कदम उठा रही है।

यूक्रेन ने रूस पर रातभर ड्रोन हमले किए बड़े गोदाम को उड़ा दिया,2 आम नागरिकों की मौत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

यूक्रेन ने रात भर रूस ड्रोन से अटैक किया। इस घातक हमले में दो आम नागरिकों की जान चली गई है। रूस के वोल्गा नदी वाले इलाकों को यूक्रेनी ड्रोन ने अपना निशाना बनाया। इस हमले में रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी वाइल्डबेरीज का बड़ा गोदाम क्षतिग्रस्त हो गया। क्षेत्रीय गवर्नर ने इस घटना के बारे में जानकारी दी। समारा क्षेत्र के गवर्नर व्याचेस्लाव फेदोरिशचेव ने बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने वाइल्डबेरीज के गोदाम को निशाना बनाया। यह जगह यूक्रेन की सीमा से करीब 800 किलोमीटर दूर है। गोदाम में कितने लोग हताहत हुए, इसकी जानकारी अभी जुटाई जा रही है। रूस की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज को रूस का अमेजन कहा जाता है। जुलाई के मध्य से ही यूक्रेन इसके करीब दर्जन भर ठिकानों पर हमले कर रहा है। इसका मकसद रूस की आम जनता की जिंदगी और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना है। वहीं, सारातोव क्षेत्र में भी ड्रोन हमला हुआ। गवर्नर रोमन बुसार्गिन ने बताया कि एंगेल्स शहर में एक आवासीय इमारत पर हमले में दो लोगों की जान चली गई। वहां सिविल सुविधाओं को भी नुकसान पहुंचा है। सारातोव शहर और एंगेल्स दोनों जगहों पर तेल रिफाइनरी और सैन्य एयरबेस हैं, जो पहले भी कई बार यूक्रेन के निशाने पर आ चुके हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रातभर में उसने 635 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। लेकिन फिर भी कुछ ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंच गए और नुकसान पहुंचाया।यूक्रेन अब रूस के अंदर गहरे हमले बढ़ा रहा है। उसका लक्ष्य रूस की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और सैन्य सुविधाओं को कमजोर करना है, ताकि चार साल से ज्यादा चले इस युद्ध में रूस की ताकत घटे। यूक्रेन का मानना है कि रूस की पिछली लाइन वाली फैक्टरियां, गोदाम और तेल सुविधाएं युद्ध का इंजन हैं। इन्हें निशाना बनाकर यूक्रेन रूस को आर्थिक और सैन्य रूप से दबाना चाहता है। वाइल्डबेरीज जैसे बड़े प्लेटफॉर्म को नुकसान पहुंचाने से आम रूसी नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित होती है। अभी तक यूक्रेन की तरफ से इन हमलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

संपादक की कलम से

केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के सरकारी हेलीकॉप्टर के कथित निजी इस्तेमाल को लेकर उठा विवाद केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहना चाहिए। असली सवाल यह है कि सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में और किन नियमों के तहत किया गया? यदि हेलीकॉप्टर का उपयोग वास्तव में निजी यात्रा के लिए हुआ है, तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इसका खर्च किस मद से हुआ और इसके लिए क्या आधिकारिक अनुमति थी।लोकतंत्र में सत्ता पक्ष से जवाबदेही की अपेक्षा इसलिए अधिक होती है क्योंकि सरकारी संसाधन जनता के पैसे से संचालित होते हैं। मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की हर सरकारी सुविधा का इस्तेमाल पारदर्शी और निर्धारित नियमों के अनुरूप होना चाहिए। खासकर तब, जब राज्य आर्थिक दबाव और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रहा हो।इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक विरोधाभास का है। विपक्ष का आरोप है कि सतीशन ने पूर्ववर्ती एलडीएफ सरकार के कार्यकाल में सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए राज्य की वित्तीय स्थिति का मुद्दा उठाया था। ऐसे में यदि अब उन्हीं सुविधाओं का इस्तेमाल निजी यात्रा के लिए किया गया है, तो जनता यह जानना चाहेगी कि परिस्थितियां कैसे अलग हैं।हालांकि, केवल विपक्ष के आरोपों के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय को सामने आकर यात्रा का उद्देश्य, हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल की अनुमति और सरकारी खजाने पर पड़े खर्च की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। यदि इस्तेमाल नियमों के तहत हुआ है, तो विवाद स्वतः कमजोर पड़ जाएगा। यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। राजनीति में पारदर्शिता का अर्थ केवल विरोधियों से सवाल पूछना नहीं, बल्कि अपने फैसलों का भी सार्वजनिक रूप से हिसाब देना है। मुख्यमंत्री से जुड़ा यह विवाद इसी कसौटी पर देखा जाना चाहिए। सरकारी संसाधन किसी व्यक्ति या दल की संपत्ति नहीं, बल्कि जनता की अमानत हैं। इसलिए उनका इस्तेमाल जितना आवश्यक हो, उतना ही पारदर्शी भी होना चाहिए।

पीएम मोदी ने गिनाई युवाओं की ताकत बोले- भारत की तरक्की में युवा बने सबसे बड़े ड्राइविंग फोर्स

मैसूर में पीएम मोदी ने कहा स्वामी विवेकानंद जी युवाओं की शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार मानते थे। उन्होंने ये देखा था कि कैसे दुनिया के देश अपने युवाओं को शिक्षित बना रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य से तब भारत गुलाम था। भारत के युवा भी गुलामी की जंजीरो में जकड़े हुए थे। उस दौर से लेकर आज तक भारत के युवा ने एक लंबी यात्रा तय की है। भारत का जो युवा कभी जंजीरों में था, आज वो युवा दुनिया के विकास को गति दे रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मैसूरु के श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र (विवेक स्मारक) के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत के युवा मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन और डिजिटल इकॉनमी में देश की तेज़ी से हो रही तरक्की के पीछे मुख्य ड्राइविंग फ़ोर्स बनकर उभरे हैं। स्वामी विवेकानंद के विज़न का ज़िक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने ज़ोर दिया कि शिक्षा, बराबरी और सेवा देश की तरक्की की बुनियाद हैं। प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, मोबाइल प्रोडक्शन और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए ग्लोबल हब के तौर पर भारत के उभरने का क्रेडिट सीधे तौर पर इसके युवाओं की काबिलियत को दिया। मैसूर में स्वामी विवेकानंद कल्चरल यूथ सेंटर विवेका स्मारक के उद्घाटन के मौके पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज, भारत अपने युवाओं की ताकत की वजह से सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के अपने नए सफ़र में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। आज, भारत की इकॉनमी दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली इकॉनमी में से एक है, और यह भी भारत के युवाओं की ताकत की वजह से है। भारत अब अपने युवाओं की ताकत की वजह से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। भारत अपने युवाओं की ताकत की वजह से दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फ़ोन बनाने वाला देश भी बन गया है। भारत में बने डिजिटल सॉल्यूशन दुनिया भर के कई देशों को प्रेरणा दे रहे हैं। मैसूर में पीएम मोदी ने कहा स्वामी विवेकानंद जी युवाओं की शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार मानते थे। उन्होंने ये देखा था कि कैसे दुनिया के देश अपने युवाओं को शिक्षित बना रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य से तब भारत गुलाम था। भारत के युवा भी गुलामी की जंजीरो में जकड़े हुए थे। उस दौर से लेकर आज तक भारत के युवा ने एक लंबी यात्रा तय की है। भारत का जो युवा कभी जंजीरों में था, आज वो युवा दुनिया के विकास को गति दे रहा है। आज भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही है। ये सब भारत के युवाओं के सामर्थ्य की वजह से ही हो रहा है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य से। प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्ति से विभूति का निर्माण एकाएक नहीं होता। इसके लिए हमें जीवन की अनगिनत परीक्षाएं देनी होती है, साधनाएं करनी होती हैं, तप करना होता है, खुद को तपाना और खपाना पड़ता है। ख्याति के बाद तो संसार पीछे खड़ा होता है। लेकिन तप के समय महान विभूतियों को पहचानना आसान नहीं होता। जो साधक को तपस्या में पहचानता है, वो उसकी सिद्धि का सहभागी भी होता है। इसलिए भाई-बहनों स्वामी विवेकानंद जी के जीवन में मैसूरु का इतना अहम योगदान था। करीब 130 वर्ष पहले स्वामी जी 1 युवा सन्यासी के रूप में भ्रमण करते हुए यहां आए थे। तब उनकी प्रसिद्धि वैसी नहीं थी, लेकिन विचार उतने ही ऊंचे थे। उस समय उन्हें जिन लोगों ने पहचाना, जो उनके साथ जुड़े उनमें से एक प्रमुख मैसूरु के तत्कालीन महाराजा का भी था। स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय चेतना को आत्मसात किया था। उन्होंने शास्त्रों को आत्मसात किया था। जो कहते हैं कि वास्तव में वही जीता है, जो दूसरों के लिए जीता है। शिक्षा और स्वास्थ से जुड़ी सेवाएं हों या प्राकृतिक आपदा में राहत कार्य, श्री रामकृष्ण आश्रम ने स्वामी विवेकानंद जी की विरासत को जीवंत रखा है। मुझे विश्वास है कि Viveka Smaraka साधकों और श्रद्धालुओं के लिए आत्मिक उत्थान के एक तीर्थ बनेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विजयनगरम स्थित भोगपुरम में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। यहां पर भी पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

निजी यात्रा के लिए सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर घिरे केरल CM

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन सरकारी हेलीकॉप्टर के कथित निजी इस्तेमाल को लेकर विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। विपक्षी वाम दलों ने मुख्यमंत्री पर सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए उनकी आलोचना की है। विवाद उस खबर के बाद सामने आया, जिसमें दावा किया गया कि मुख्यमंत्री ने कोच्चि में इलाज करा रहे अपने ससुर से मिलने के लिए सरकारी हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुख्यमंत्री को लेकर हेलीकॉप्टर तिरुवनंतपुरम स्थित कोदियार गोल्फ क्लब ग्राउंड से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। हालांकि, खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर को कोच्चि में उतरने में परेशानी हुई और उसे वापस राज्य की राजधानी लौटना पड़ा। बाद में मौसम की स्थिति में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर ने दोबारा उड़ान भरी। इसी घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।विपक्षी नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री सतीशन ने जब विपक्ष में रहते हुए पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए थे,

तब उन्होंने राज्य की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला दिया था। अब वाम नेताओं ने आरोप लगाया है कि सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री का रुख बदल गया है।माकपा नेता और पूर्व मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री का नाम लिए बिना तंज कसा। उन्होंने लिखा कि "एक हेलीकॉप्टर ने यू-टर्न ले लिया।" उनके इस बयान को मौजूदा विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।वहीं, पूर्व मंत्री और माकपा नेता एम.बी. राजेश ने भी मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने निजी यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर का दो बार इस्तेमाल किया। राजेश ने इस मामले को सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल और राजनीतिक नैतिकता से जोड़ते हुए सवाल खड़े किए।हालांकि, पूरे मामले पर मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से क्या स्पष्टीकरण दिया गया है, यह इस विवाद में महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल सरकारी हेलीकॉप्टर के कथित निजी इस्तेमाल को लेकर केरल की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

गौरव गोगोई ने बीजेपी आईटी सेल पर लगाए गंभीर आरोप

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने रविवार को बीजेपी आईटी सेल पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने इसे टॉक्सिक मैस्कुलिनिटी का गड्ढा बताया और कहा कि महिलाएं जहां जंतर-मंतर जैसे प्रदर्शन स्थलों पर खउद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं, वहीं डिजिटल स्पेस में गाली-गलौज का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को रेप की धमकियां दी जा रही है और निजी जानकारी सार्वजनिक करने जैसी हरकतों का सामना करना पड़ रहा है।कांग्रेस सांसद ने इसको लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माहौल महिलाओं के लिए लगातार ज्यादा असुरक्षित और शत्रुतापूर्ण होता जा रहा है। उन्होंने इसके लिए बीजेपी ।T सेल से जुड़े लोगों को जिम्मेदार ठहराया। गौरव गोगोई ने कहा कि लड़कियां जहां असुरक्षित महसूस कर रही हैं, वह डिजिटल स्पेस है। सत्तारूढ़ पार्टी का समर्थन करने वाले लड़के और पुरुष महिलाओं को रेप की धमकी दे रहे हैं। वे वेश्यावृत्ति से जुड़ी आपत्तिजनक बयान भी दे रहे हैं। यही ।T सेल है, जो टॉक्सिक मैस्क्युलिनिटी का गड्ढा है। इस दौरान कांग्रे सांसद ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर मौजूद कई लड़कियों ने खुद को भीड़ में सुरक्षित महसूस किया। उनके मुताबिक, कई महिलाओं ने बताया कि वहां मौजूद लड़कों और युवाओं ने उनका समर्थन किया और जरूरत पड़ने पर उनकी सुरक्षा भी की। गोगोई ने कहा कि जंतर-मंतर पर युवाओं ने सहानुभूति, ताकत और साहस का प्रदर्शन किया, जो सकारात्मक पुरुषत्व का उदाहरण है। उन्होंने ऑनलाइन महिलाओं को निशाना बनाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें सार्वजनिक रूप से बेनकाब किया जाना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई का यह बयान ऐसे समय आया है, जब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक नोएडा की लड़की का कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर लोगों से अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि वह अपशब्द कहने वालों को माफ करते हैं। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद लड़की की पहचान सोशल मीडिया पर सामने आ गई और उसे कथित तौर पर बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ट्रोलिंग और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। गोगोई ने इसी घटनाक्रम के संदर्भ में कहा कि किसी व्यक्ति के सार्वजनिक प्रदर्शन में आपत्तिजनक व्यवहार के बावजूद उसकी निजी जानकारी सार्वजनिक करना और उसे लैंगिक आधार पर निशाना बनाना बेहद गंभीर और खतरनाक प्रवृत्ति है।

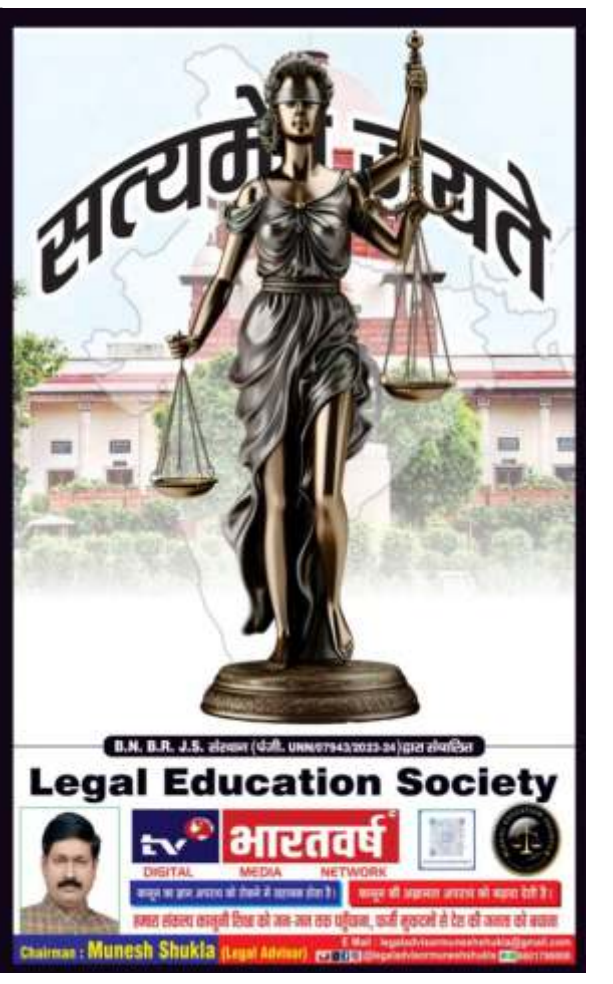

ऑक्सफोर्ड से MBA का सपना होगा आसान पूरी फीस माफ के साथ मिलेंगे ₹28 लाख सालाना

दुनिया में हायर एजुकेशन के लिए ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी को सबसे बेहतरीन संस्थान माना जाता है। ब्रिटेन की इस यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने का खर्च भी कम नहीं है, खासतौर पर अगर आपको मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) की पढ़ाई करनी है। अच्छी बात ये है कि कई सारे ऐसे संस्थान हैं, जो ऑक्सफर्ड में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देते हैं। ऐसा ही एक संस्थान ऑक्सफर्ड में MBA करने के लिए स्कॉलरशिप दे रहा है। आंत्रप्रेन्योरशिप से जुड़े हुए संस्थान स्कोल सेंटर ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी में MBA करने के लिए 'स्कोल MBA स्कॉलरशिप 2027' दे रहा है। अगर आप ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी से MBA करने का सपना देख रहे हैं, तो फिर आपके लिए गुड न्यूज है, क्योंकि आप भी इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। ये स्कॉलरशिप ऑक्सफोर्ड के 'सैड बिजनेस स्कूल' में पढ़ने के लिए दी जा रही है और अभी इसके लिए एप्लिकेशन प्रोसेस की शुरुआत हो चुकी है।MBA स्कॉलरशिप के फायदे क्या हैं?

ट्यूशन फीस माफ: स्कॉलरशिप पाने वाले स्टूडेंट की MBA कोर्स की पूरी फीस माफ हो जाएगी।

रहने-खाने का खर्च: पढ़ाई के दौरान ब्रिटेन में रहने-खाने के लिए 21,805 पाउंड (लगभग 28 लाख रुपये) सालाना दिए जाएंगे।

स्कॉलर्स कम्युनिटी की सदस्यता: स्टूडेंट को 'स्कोस स्कॉलर कम्युनिटी' का हिस्सा बनने का मौका मिलता है, जिससे दुनिया भर के दिग्गज सोशल इनोवेटर्स और लीडर्स के साथ नेटवर्किंग करने और सीखने का अवसर मिलता है।

स्कॉलरशिप लिंक: UK Skoll MBA Scholarship ऑक्सफर्ड स्कॉलरशिप के लिए कौन अप्लाई कर सकता है?

स्टूडेंट का अकेडमिक बैकग्राउंड अच्छा होना चाहिए। उसके पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मिली बैचलर्स डिग्री होनी चाहिए।

स्टूडेंट का सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप में एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड होना चाहिए। खुद का सोशल वेंचर होने पर प्राथमिकता मिल सकती है।

स्कॉलरशिप आवेदन के समय साबित करना होगा कि MBA की भारी-भरकम फीस भरना मुमकिन नहीं है।

स्टूडेंट के पास एक सोशल आंत्रप्रेन्योर होने की क्वालिटी होनी चाहिए।

उसके काम से समाज पर एक सकारात्मक और स्थायी प्रभाव दिखना चाहिए।

ऑक्सफोर्ड MBA के लिए निर्धारित अंग्रेजी भाषा जरूरतों (जैसे IELTS/TOEFL) को पूरा करना अनिवार्य है। ऑक्सफर्ड में पढ़ने के लिए मिल रही इस स्कॉलरशिप के लिए ऑनलाइन अप्लाई करना होगा। सबसे पहले आपको ऑक्सफोर्ड सैड बिजनेस स्कूल के MBA प्रोग्राम के लिए सीधे अप्लाई करना होगा और एक पूरा MBA एप्लीकेशन सबमिट करना होगा। एप्लिकेशन फॉर्म के फंडिंग सेक्शन में आपको 'स्कोल स्कॉलरशिप निबंध' मिलेगा, जिसे पूरा करके सबमिट करना जरूरी है। MBA एप्लिकेशन और स्कॉलरशिप निबंध दोनों को 8 जनवरी 2027 से पहले पूरा करना होगा। शॉर्टलिस्ट किए जाने पर उम्मीदवारों को इंटरव्यू सहित चयन प्रक्रिया के अगले चरणों के लिए बुलाया जाएगा।

आंगनवाड़ी में भर्ती होने की इच्छुक महिलाओं के लिए शानदार मौका

आंगनवाड़ी में भर्ती होने की इच्छुक महिलाओं के लिए शानदार मौका है। उत्तर प्रदेश के 16 नए जिलों में आंगनवाड़ी वर्कर की भर्ती आई है। इन जिलों की महिलाएं जो घर-परिवार के साथ समाज में भी अहम भूमिका निभाना चाहती हैं , वो ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। एप्लिकेशन फॉर्म भरने के लिए आपको आधिकारिक वेबसाइट upanganwadibharti.in पर जाना होगा। आंगनवाड़ी कार्यकत्री का पद जिम्मेदारी, कर्तव्य और समाजसेवा वाला है। जिसके लिए केवल महिलाएं ही आवेदन कर सकती हैं। यह नई भर्ती कुशीनगर, संत रविदासनगर, हापुड़, एटा, सीतापुर और अन्य जिलों के लिए शुरू की गई है। जिलावाइज सभी की अंतिम तिथि भी अलग-अलग तय की गई है। ऐसे में लास्ट डेट से पहले ही आपको आवेदन प्रक्रिया पूरी कर होगी। आंगनवड़ी सहायिका के पद पर चयन हेतु कोई परीक्षा भी नहीं ली जाएगी।

आंगनवाड़ी वर्कर के लिए योग्यता नियम

12वीं तक पढ़ाई: आवेदिका का किसी भी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से इंटरमीडिएट (12वीं) पास होना चाहिए। इससे ऊपर ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन कर चुकी महिलाएं भी अप्लाई कर सकती हैं।

उम्र सीमा: कम से कम 18 साल की उम्र पूरी कर ली हो और अधिकमत 35 साल से ज्यादा उम्र नहीं होनी चाहिए। एज लिमिट के लिए कटऑफ डेट 1 जुलाई 2026 रखी गई है। यानी इस तारीख को आधार मानकर ही उम्र की गणना की जाएगी। उम्रसीमा के लिए अभ्यर्थियों की हाई स्कूल मार्कशीट और सर्टिफिकेट देखा जाएगा।

मूल निवास: जहां से आवेदन कर रहे हैं, वहां के ग्रामसभा/वार्ड (शहरी) स्थायी निवासी होना चाहिए। अन्य ग्रामसभा और वार्ड के निवासी होने पर मूल निवासी नहीं माने जाएंगे। ऐसे फॉर्म मान्य नहीं होंगे। आवेदन के बाद चयन सूची और अन्य जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर ही दी जाएगी। मेरिट लिस्ट में जिन भी उम्मीदवारों का नाम होता है, उन्हें जिला कार्यालय में दस्तावेज सत्यापन के लिए उपस्थित होना होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 अपने अंतिम चरण में ग्लास्गो में होगा समापन

तिलक वर्मा को दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए बनाया गया साउथ जोन का कप्तान

भारतीय T20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा को घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए बड़ी जिम्मेदारी मिली है। आगामी सीजन में वह साउथ जोन की कप्तानी करते नजर आएंगे। सिलेक्टर्स ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण देखने को मिला है। टीम के उपकप्तान के रूप में आंध्र के अनुभवी बल्लेबाज रिकी भुई को चुना गया है। दलीप ट्रॉफी का आयोजन 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु स्थित BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में किया जाएगा। पिछले संस्करण में साउथ जोन फाइनल तक पहुंचा था, लेकिन खिताबी मुकाबले में उसे सेंट्रल जोन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसी प्रदर्शन के दम पर टीम को इस बार सीधे सेमीफाइनल में जगह मिली है। हाल ही में भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ T20I सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी, जिसमें तिलक वर्मा भारतीय टीम का हिस्सा थे। अब उनसे घरेलू क्रिकेट में भी साउथ जोन को खिताब तक पहुंचाने की उम्मीद होगी। साउथ जोन की टीम में अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर को भी शामिल किया गया है। वहीं कर्नाटक के युवा बल्लेबाज आर स्मरण को भी मौका मिला है। हैदराबाद के प्रतिभाशाली बल्लेबाज के. हिमतेजा भी टीम का हिस्सा हैं।इसके अलावा शेख रशीद को भी टीम में जगह मिली है। शेख ने हाल ही में भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था। गोवा के अभिनव तेजराना और तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज एन. जगदीशन भी टीम में शामिल हैं। जगदीशन विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह भी हाल ही में भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर गए थे। गेंदबाजी विभाग में स्पिन की जिम्मेदारी तनय त्यागराजन और श्रेयस गोपाल संभालेंगे। वहीं तेज गेंदबाजी आक्रमण में के. साई तेजा, टी. विजय, विद्वत कावेरप्पा और एम. डी. निदीश शामिल किए गए हैं। साउथ जोन अपना पहला मुकाबला 30 अगस्त को BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के ग्राउंड नंबर-2 पर खेलेगा।

पी आर श्रीजेश ने जर्सी का रंग केसरिया किये जाने को लेकर उपजे विवाद को खारिज कर दिया

गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने भारतीय हॉकी टीमों की जर्सी का रंग केसरिया किये जाने को लेकर विवाद को खारिज करते हुए टीम से बाहर की आवाजों पर ध्यान नहीं देते हुए पूरी ऊर्जा 50 साल बाद विश्व कप में पदक जीतने पर फोकस करने के लिये कहा है। तोक्यो ओलंपिक 2020 में 41 साल बाद भारतीय हॉकी टीम के ओलंपिक कांस्य जीतने और 2024 में पेरिस में उस प्रदर्शन को दोहराने में अहम भूमिका निभाने वाले इस दिग्गज ने जर्सी विवाद के बारे में पूछे जाने पर से कहा ,“ सच कहूं तो मुझे पहले समझ ही नहीं आया कि क्या मसला है क्योंकि 2014 और 2018 विश्व कप में भी जर्सी का रंग बदला था। हमारी एक ट्रेनिंग किट का भी रंग आरेंज है।इस बार विश्व कप से पहले इतनी चर्चा क्यों हो रही है। केसरिया रंग की वजह से या जर्सी का रंग बदलने की वजह से।” नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप से पहले भारतीय हॉकी टीमों की जर्सी का रंग बदलकर नीले से केसरिया कर दिया गया है। इस पर पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा , धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह, वासुदेवन भास्करन और परगट सिंह समेत कई पूर्व खिलाड़ियों ने सवाल उठाये थे। पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी से विदा लेकर कोच बने श्रीजेश ने कहा ,“अगर विवाद रंग बदलने की वजह से है तो 2014 और 2018 में भी होना चाहिये था जब हमने पीली और हल्के नीले रंग की जर्सी पहनी थी।” उन्होंने कहा कि जर्सी का रंग बदलने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन यह कहना कि नीली टर्फ पर खेलने में दिक्कत होती है, समझ से परे है क्योंकि इतने साल से नीली जर्सी में ही तो खेलते आये हैं। भारत के लिये 339 मैच खेल चुके और पिछले साल चेन्नई में जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कोच रहे 38 वर्ष के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा ,“मुझे जर्सी के रंग बदलने से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन उसका जो कारण बताया जा रहा है , वह समझ से परे है।

टीम इंडिया में वापसी पर भुवनेश्वर कुमार ने तोड़ी चुप्पी

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय टीम में वापसी अब उनके लिए मुख्य मकसद नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारतीय टीम से बाहर की जिंदगी को अपना लिया है और अब वे सिर्फ खेल के प्रति अपने जुनून के कारण खेल रहे हैं। 36 साल के भुवनेश्वर ने भारत की जर्सी में अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला नवंबर 2022 में खेला था। वह अपने इंटरनेशनल करियर में अब तक 21 टेस्ट, 121 वनडे और 87 टी20 इंटरनेशनल मैच चुके हैं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करने का अपना सपना पूरा करने के बाद, उन्हें अब खुद को साबित करने का कोई दबाव महसूस नहीं होता। भुवनेश्वर कुमार ने आगे कहा कि मैं पहले ही भारत के लिए खेल चुका हूं। अब मुझे कुछ और हासिल नहीं करना है। अगर मुझे एक और मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छी बात होगी, लेकिन मैं वह अनुभव ले चुका हूं। मैं अभी जो कुछ भी कर रहा हूं, वह खेल के प्रति मेरे प्यार की वजह से है। मुझे पता है कि मुझे अनुशासित रहना है। मैं घरेलू क्रिकेट खेलता हूं, मैं यूपी टी20 लीग खेलता हूं। मैं यह पक्का करता हूं कि मैं खेल के संपर्क में रहने के लिए काफी क्रिकेट खेलूं, और साथ ही खुद को ठीक होने और तरोताजा रहने के लिए काफी ब्रेक भी दूं। इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए दाएं हाथ के गेंदबाज ने बिना किसी पछतावे या कड़वाहट के आगे बढ़ने में मदद के लिए अपने परिवार के माहौल को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह से सुकून में हूं, और इसका श्रेय मैं अपने परिवार को देता हूं। घर पर हम कभी क्रिकेट के बारे में बात नहीं करते। हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि क्या मैं भारतीय टीम में वापस आऊंगा, मुझे क्यों नहीं चुना गया, या क्या गलत हुआ। इसने एक बड़ी भूमिका निभाई, और मुझे कोई पछतावा नहीं है।

पहाड़ों की वादियों में गूंजी सुरीली आवाज

सोशल मीडिया पर हर दिन हजारों वीडियो अपलोड होते हैं, लेकिन कुछ वीडियो ऐसे होते हैं जो सीधे लोगों के दिल तक पहुंच जाते हैं. इन दिनों अरूणाचल प्रदेश की तीन बहनों का एक ऐसा ही वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है.

बिना किसी महंगे कैमरे, रिकॉर्डिंग स्टूडियो या म्यूजिक सेटअप के इन बहनों ने बॉलीवुड के सुपरहिट गाने 'सुभान अल्लाह' को अपनी आवाज में गाया और देखते ही देखते लाखों लोगों का दिल जीत लिया.

ये तीनों बहनें इंस्टाग्राम पर सिंगका वांगजेन नाम से अपना अकाउंट चलाती हैं. वे अक्सर बॉलीवुड और दूसरे लोकप्रिय

गानों के कवर वीडियो शेयर करती हैं. उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि उनके ज्यादातर वीडियो अरूणाचल प्रदेश की खूबसूरत पहाड़ियों, हरियाली और धुंध से ढके प्राकृतिक नजारों के बीच रिकॉर्ड किए जाते हैं. यही प्राकृतिक माहौल और उनकी सादगी लोगों को सबसे ज्यादा पसंद आ रही है.

मटकियां क्यों फेंक रहीं महिलाएं?

सोशल मीडिया पर इन दिनों राजस्थान के उदयपुर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

वीडियो में रंग-बिरंगे कपड़े पहने कई महिलाएं सिर पर बड़ी-बड़ी मटकियां लेकर बाजार की ओर जाती दिखाई देती हैं. फिर वे दुकानों के सामने उन मटकियों का गंदा पानी फेंक देती हैं. पहली नजर में यह देखकर कई लोगों को लगता है कि महिलाएं दुकानदारों से नाराज हैं या कोई प्रदर्शन कर रही हैं. लेकिन जब इसकी असली वजह सामने आती है तो लोग हैरान रह जाते हैं. दरअसल, यह किसी तरह का झगड़ा या विरोध नहीं, बल्कि मेवाड़ क्षेत्र की एक सदियों पुरानी लोक परंपरा है. स्थानीय लोगों का मानना है कि ऐसा करने से इंद्र देव

प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है.

यही वजह है कि हर साल मानसून के दौरान इस अनोखी रस्म को पूरे उत्साह के साथ निभाया जाता है. इस परंपरा को लोग किसी त्योहार की तरह मनाते हैं और पूरे शहर में इसका अलग ही माहौल देखने को मिलता है.

परंपरा और आस्था का अनोखा संगम

आज के आधुनिक दौर में भी भारत के कई हिस्सों में ऐसी लोक परंपराएं जीवित हैं, जो सदियों पुरानी मान्यताओं से जुड़ी हुई हैं. उदयपुर का यह वायरल वीडियो भी यही दिखाता है कि यहां के लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को आज भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाते हैं.

अंग्रेजी की गलतियों पर ट्रोल हुई असिस्टेंट प्रोफेसर

राहुल गांधी को घेरने चलीं प्रोफेसर खुद घिरीं

राहुल गांधी पर सवाल उठाने के लिए एक्स पर पोस्ट लिखने वाली एक असिस्टेंट प्रोफेसर की अंग्रेजी पर ही सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठा दिए. देखते ही देखते पोस्ट वायरल हो गया और लोगों ने उनकी ग्रामर की गलतियां गिनानी शुरू कर दीं.

सोशल मीडिया पर कई बार किसी मुद्दे से ज्यादा चर्चा उस पोस्ट की भाषा को लेकर होने लगती है. ऐसा ही कुछ पश्चिम बंगाल की रहने वालीं अर्पिता चटर्जी के साथ हुआ.

खुद को असिस्टेंट प्रोफेसर बताने वाली अर्पिता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए X पर एक पोस्ट लिखा, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया.

पोस्ट में उन्होंने लिखा कि उनके पास अंग्रेजी और एजुकेशन में दो मास्टर डिग्री हैं, बी.एड. किया है और वह पीएचडी भी कर रही हैं. इसके बाद उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया कि अगर उनके मुताबिक 'अंधभक्त' बेवकूफ होते हैं, तो क्या वह भी बेवकूफ हैं? अर्पिता का पोस्ट वायरल होते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके सवाल से ज्यादा उनकी अंग्रेजी पर ध्यान देना शुरू कर दिया. कई लोगों ने दावा किया कि पोस्ट में कई ग्रामर की गलतियां हैं. यूजर्स ने लिखा कि अगर किसी के पास अंग्रेजी में मास्टर डिग्री है.

दो हिस्सों में बंट गए सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि, सभी लोग अर्पिता की आलोचना नहीं कर रहे थे. कुछ यूजर्स ने उनका समर्थन भी किया. उनका कहना था कि सोशल मीडिया पर लिखते समय छोटी-मोटी ग्रामर की गलतियां किसी भी व्यक्ति से हो सकती हैं और सिर्फ इन्हीं गलतियों के आधार पर किसी की योग्यता पर सवाल नहीं उठाना चाहिए. फिलहाल, अर्पिता चटर्जी का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. जहां एक तरफ लोग इसे राजनीतिक पोस्ट मान रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बड़ी संख्या में यूजर्स इसे अंग्रेजी ग्रामर की बहस में बदल चुके हैं.

फायरप्लेस से निकली 150 साल पुरानी दुर्लभ किताब

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया. एक किताब करीब 150 साल बाद लाइब्रेरी में वापस लौटाई गई. अगर पुराने नियमों के हिसाब से उसका जुर्माना लगाया जाता, तो फाइन लगभग 19 लाख रुपये होती. हालांकि, लाइब्रेरी ने इस पर कोई जुर्माना नहीं लिया और इस दुर्लभ किताब को अपने ऐतिहासिक संग्रह में शामिल करने का फैसला किया. ऑस्ट्रेलिया के समुद्री शहर कियामा में एक व्यक्ति अपने पुराने घर की मरम्मत करा रहा था.

अगस्त में बॉक्स ऑफिस पर होगा बड़ा धमाका

'आवारापन 2' से 'टॉक्सिक' तक ये फिल्में मचाएंगी धूम

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि इसे विजय के अभिनय करियर की अंतिम फिल्म बताया जा रहा है। राजनीति में सक्रिय होने के बाद यह उनकी विदाई फिल्म मानी जा रही है, इसलिए दर्शकों की भावनात्मक अपेक्षाएं भी इससे जुड़ी हुई थीं। रिलीज के पहले दिन सिनेमाघरों के बाहर उमड़ा प्रशंसकों का सैलाब इस बात का प्रमाण है कि विजय का स्टारडम आज भी करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करता है। लेकिन शुरुआती प्रतिक्रियाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या किसी फिल्म की सफलता केवल स्टार की लोकप्रियता से तय हो सकती है, या फिर मजबूत कहानी और प्रभावी प्रस्तुति भी उतनी ही जरूरी है?फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर दो बिल्कुल अलग तस्वीरें देखने को मिली हैं। एक ओर विजय के प्रशंसक उनकी स्क्रीन प्रेजेंस, एंट्री सीक्वेंस और अभिनय की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने इसे उनके करियर की यादगार विदाई बताया है। वहीं दूसरी ओर कुछ दर्शकों ने फिल्म की कहानी, गानों और संवादों को कमजोर बताते हुए "क्रिंज" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। यह विभाजित प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि आज का दर्शक केवल बड़े सितारे के नाम पर फिल्म को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।पिछले कुछ वर्षों में भारतीय सिनेमा का दर्शक काफी बदल चुका है। अब वह सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म और वैश्विक कंटेंट के संपर्क में है। ऐसे में उसकी अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। यदि कहानी कमजोर हो या पटकथा में नवीनता न हो, तो बड़े से बड़ा सितारा भी आलोचना से नहीं बच पाता। दूसरी ओर, अच्छी कहानी वाली अपेक्षाकृत छोटे बजट की फिल्में भी दर्शकों का भरपूर समर्थन हासिल कर लेती हैं। यही बदलाव भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है।'जन नायकन' की चर्चा में एक और दिलचस्प पहलू बॉबी देओल की भूमिका रही। शुरुआती प्रतिक्रियाओं में उनके नकारात्मक किरदार की काफी सराहना की गई है। यह दर्शाता है कि आज दर्शक केवल नायक ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली सहायक पात्रों और मजबूत खलनायकों को भी उतना ही महत्व देते हैं। किसी भी फिल्म की सफलता अब पूरे कलाकार समूह और संतुलित कहानी पर अधिक निर्भर करती है।हालांकि शुरुआती अनुमान बताते हैं कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत कर सकती है। यदि पहले दिन और शुरुआती सप्ताहांत में अनुमानित कमाई होती है, तो यह विजय के स्टारडम की ताकत का प्रमाण होगी। लेकिन किसी भी फिल्म की वास्तविक सफलता केवल शुरुआती कमाई से नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ से तय होती है।'जन नायकन' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि थलपति विजय के अभिनय सफर का अंतिम अध्याय भी मानी जा रही है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि उनके प्रशंसकों के लिए यह भावनात्मक अवसर हो। लेकिन फिल्म उद्योग के लिए इससे बड़ा संदेश यह है कि बदलते दौर में स्टारडम और अच्छी कहानी—दोनों का संतुलन ही स्थायी सफलता की कुंजी है। दर्शक अब केवल तालियों से नहीं, बल्कि अपनी ईमानदार प्रतिक्रिया से भी फिल्मों का भविष्य तय कर रहे हैं। यही भारतीय सिनेमा के परिपक्व होते दर्शक वर्ग की सबसे बड़ी पहचान है।

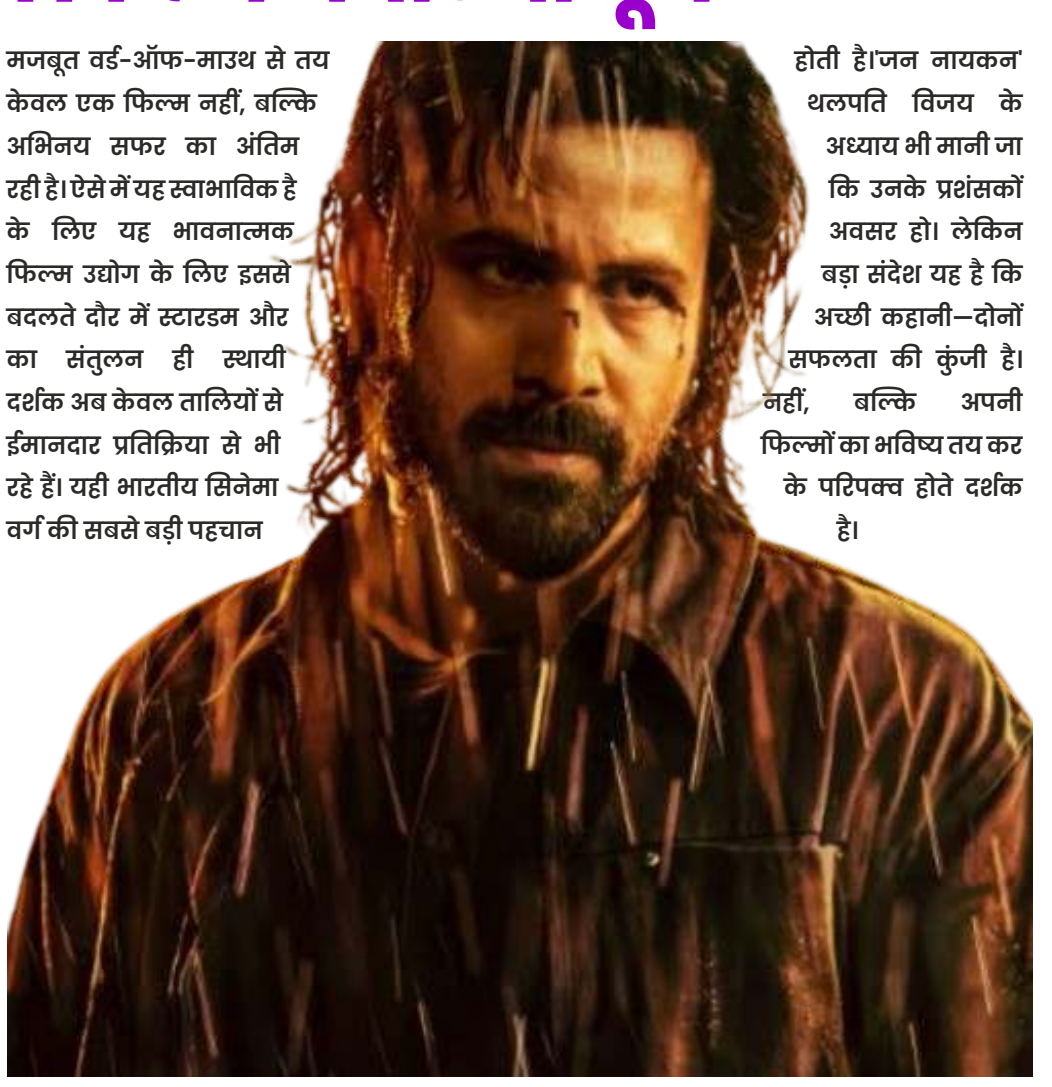

बटेश्वर कॉरिडोर निर्माण को लेकर घमासान,

अखिलेश ने उठाए सवाल, यूपीपीसीएल ने किया खंडन

आगरा के बटेश्वर कॉरिडोर निर्माण को लेकर विवाद छिड़ गया। अखिलेश यादव ने निर्माण में भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप लगाए, जबकि यूपीपीसीएल ने कहा कि सावन में श्रद्धालुओं की सुविधा और कीचड़ से बचाव के लिए अस्थायी पीसीसी डाली गई है।

आगरा के बटेश्वर धाम में बन रहे कॉरिडोर को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्माण कार्य की तस्वीरें साझा कर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि बिना बेस तैयार किए मिट्टी पर सीधे पीसीसी (PCC) डाली जा रही है। वहीं, निर्माणदायी संस्था यूपीपीसीएल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि सावन में श्रद्धालुओं की सुविधा और कीचड़ से बचाने के लिए अस्थायी तौर पर पीसीसी डाली गई है। अखिलेश यादव ने एक्स पर बटेश्वर कॉरिडोर के काम की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने निर्माण कार्य में लापरवाही का आरोप लगाते हुए लिखा कि यह है, बटेश्वर कॉरिडोर के काम में हो रहे बेतहाशा भ्रष्टाचार का साक्षात सबूत। वीडियो में दिख रहा है कि बिना नींव तैयार किए सीधे मिट्टी पर ही पीसीसी डाली जा रही है। यहां खराब कांक्रीट और पत्थर का इस्तेमाल हो रहा है और डिजाइन फाल्ट्स की भी कई बार लिखित शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कभी सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी की जा रही है और शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए आगे लिखा कि भाजपा राज में जब कोई ईमानदार नागरिक आवाज उठाता है, तो उसके फोन पर धमकी की आवाज आ जाती है। भाजपा राज में सुनवाई की जगह धमकाई हो रही है। भाजपा ने अटल प्रोग्रेस वे बनाने का वादा किया था। अब जनता पूछ रही है कि क्या यह भी एक जुमला था? उन्होंने कहा कि बटेश्वर में पर्यटन विभाग की ओर से यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के माध्यम से काम कराया जा रहा है। अखिलेश यादव के आरोपों पर यूपीपीसीएल ने सफाई देते हुए इन्हें गलत बताया है। निर्माण संस्था का कहना है कि सावन महीने में श्रद्धालुओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए कच्चे रास्ते पर अस्थायी रूप से PCC डाली गई है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह के अनुसार, यूपीपीसीएल ने जानकारी दी है कि बटेश्वर धाम कॉम्प्लेक्स में नए गेट नंबर एक और बिटुमिन मार्ग के बीच करीब छह मीटर हिस्से में 150 एमएम सीसी का आधार तैयार किया जाना है। इसके ऊपर 100 एमएम रेड स्टोन कोबल लगाया जाएगा।

लखनऊ का पहला फ्रैग्रेंस पार्क महका, अब नाम बदलने की उठी मांग

लखनऊ के हुसैनाबाद क्षेत्र में प्रदेश का पहला फ्रैग्रेंस पार्क बना है। घंटाघर के ठीक सामने बने इस पार्क को खुशबू वाला पार्क भी कहते हैं। इस पार्क को 3.41 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है। पार्क में एनबीआरआई की ओर से हॉर्टीकल्चर का कार्य कराया गया है। फ्रैग्रेंस पार्क की वजह से पूरा इलाका महकने लगा है। पार्क के डेवलप होने के बाद अब इसके नाम को बदलने की भी डिमांड होने लगी है। नवाब मसूद अब्दुल्ला ने इस पार्क का नाम बदलकर नवाबीन-ए-अवध के नाम पर रखने की मांग की है। पार्क में लाल और सफेद रंग के बोगनवेलिया फूल, अलग-अलग वैरायटी के मौसमी फूल, कमल और विभिन्न गुलाब हैं। 50 से अधिक वैरायटी के फूल लगाए गए हैं। इसमें सबसे अधिक वैरायटी गुलाब में देखने को मिल रहे हैं। लाल, सफेद, गुलाबी और काला गुलाब समेत 2 दर्जन से अधिक प्रकार के गुलाब मौजूद हैं। नवाब मसूद अब्दुल्ला ने कहा कि लखनऊ को बागों का शहर कहा जाता है। नवाबीन ए अवध ने बहुत सारे बाग बनवाए। ये बाग शहर की खूबसूरती और माहौल को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं । चारबाग, आलमबाग, मूसा बाग, बादशाह बाग, सिकंदर बाग बंदरिया बाग, महताब बाग ऐसे बहुत सारे बाग हैं। लखनऊ के चारों ओर बाग ही बाग हुआ करते थे।

सेवा नियमावली के मसौदे पर UPSA की आपत्ति, निजी स्कूलों को प्रतिनिधित्व देने की मांग

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से निजी विद्यालयों के शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए प्रस्तावित सेवा नियमावली को लेकर अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन (UPSA) ने आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने ऑनलाइन कार्यकारिणी बैठक में कहा कि निजी विद्यालयों से बिना विचार-विमर्श तैयार की गई सेवा नियमावली प्रबंधन को स्वीकार नहीं होगी। UPSA अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि सेवा नियमावली सीधे निजी विद्यालयों, शिक्षकों और प्रबंधन से जुड़ा विषय है। इसलिए नियमावली तैयार करने वाली समिति में मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने मांग की कि सेवा नियमावली का प्रारूप (ड्राफ्ट) सार्वजनिक किया जाए और निजी विद्यालय संगठनों व स्कूल प्रबंधन से सुझाव लेने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाए। उनका कहना है कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर व्यापक संवाद जरूरी है। बैठक में कहा गया कि नई सेवा नियमावली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) की भावना के अनुरूप हो। शिक्षकों के हित सुरक्षित रहने के साथ निजी विद्यालयों की प्रशासनिक स्वायत्तता, नवाचार और प्रबंधन के अधिकार भी प्रभावित नहीं होने चाहिए। एसोसिएशन ने कहा कि नियम बनाते समय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छोटे-बड़े सभी विद्यालयों की आर्थिक स्थिति, फीस संरचना और वित्तीय क्षमता को ध्यान में रखा जाए। बिना सरकारी सहायता के ऐसे अतिरिक्त दायित्व न लगाए जाएं, जिनसे किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रभावित हो। UPSA ने कहा कि सेवा नियमावली में शिक्षकों के अधिकारों के साथ उनके कार्य निष्पादन, अनुशासन और उत्तरदायित्व का भी स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थागत जवाबदेही दोनों बनी रहें। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वह शिक्षकों के हितों और सेवा सुरक्षा का समर्थन करती है, लेकिन बिना व्यापक परामर्श और निजी विद्यालयों के प्रतिनिधित्व के तैयार की गई सेवा नियमावली पर पुनर्विचार होना चाहिए। UPSA ने कहा कि वह निजी विद्यालयों के हितों की रक्षा के लिए सभी वैधानिक और लोकतांत्रिक माध्यमों से अपना पक्ष सरकार के सामने रखेगी।

चारबाग जंक्शन पर 30 लाख की हेरोइन बरामद

चारबाग जंक्शन से RPF क्राइम ब्रांच की टीम ने 30 लाख रुपए हेरोइन बरामद की है। इसकी तस्करी करते पकड़े गए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसे लखनऊ से ट्रेन के माध्यम से बेंगलुरु ले जाकर खपाने की साजिश थी। इनपुट के बाद आरपीएफ क्राइम ब्रांच की टीम ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ मिलकर शनिवार को एक्शन लिया। प्लेटफार्म नंबर-2 पर हुई चेकिंग के दौरान आरोपी पकड़ा गया। उसके पास से 137 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी गुरमेज सिंह पीलीभीत का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह इस हेरोइन को लखनऊ से यशवंतपुर (बेंगलुरु) ले जा रहा था। इसके बाद नार्कोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। तस्करी में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी की जा रही है। RPF क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अभियान जारी रहेगा। ताकि, रेलवे क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध आवाजाही पर रोक लगे। ऑपरेशन नारकोश लगातार चलाया जाता रहेगा। कार्रवाई में क्राइम ब्रांच उत्तर रेलवे, RPF क्राइम ब्रांच पूर्वोत्तर रेलवे और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, लखनऊ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है।

पानी की टंकी पर चढ़ी महिला

लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को 35 साल की महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई। उसने पुलिस को फोन कर आत्महत्या करने की बात कही, जिससे पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद महिला को नीचे उतारा। नीचे आने के बाद महिला बेहोश हो गई थी। पुलिस ने उसे तुरंत लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया। महिला ने बताया कि वह अपने ससुराल वालों से परेशान है। उसने ससुराल वालों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से वह नाराज थी। इसी वजह से वह पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। पुलिस के अनुसार, कानपुर के नौबस्ता स्थित आवास विकास हंसपुरम निवासी प्रियंका सिंह (35) ने अक्टूबर 2019 में सरोजनी नगर के गौरी बाजार निवासी अभिषेक उर्फ बबलू वर्मा से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद अभिषेक उसे अपने घर में नहीं रख रहा था।

लखनऊ से कालिंजर किले के लिए रवाना हुए 60 बाइकर्स, पर्यटन मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ से बांदा के कालिंजर किला जाने के लिए 60 बाइकर्स रवाना किए गए। इन्हें पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने फ्लैगऑफ कर रवाना किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि यूपी में एडवेंचर टूरिज्म बढ़ाएंगे। हालांकि, मंत्री ने अपने बयान में कालिंजर किले को महोबा जिले में होना बताया, जबकि किला बांदा में है। मंत्री ने रविवार सुबह 8 बजे राजधानी के 1090 (वीमेन पावर लाइन) चौराहे से द राइडिंग चैप्टर विजिट माई स्टेट का उद्घाटन किया। कहा कि यूपी में पर्यटन की अपार संभावना है। इसे हमें मिलकर आगे बढ़ाना चाहिए। कालिंजर किला ऐतिहासिक है। यहां तक की यात्रा एडवेंचर टूरिज्म के नाम से प्रमोट की जाएगी। इसे आगे बढ़ाया जाएगा। ताकि, देश और दुनिया के लोग यूपी के पर्यटन को जान सकें, समझ सकें और यात्रा करें। पर्यटन प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि राइडर्स को पूरी यात्रा में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसके लिए सारी व्यवस्था की गई है। हर जिले में इनसे और बाइकर्स जुड़ते जाएंगे। सभी डीएम को इस राइड की जानकारी है। टूरिज्म विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि कालिंजर फोर्ट बेहद खूबसूरत जगह है। उसे अभी एक्सप्लोर करने की जरूरत है। फोर्ट टूरिज्म बढ़ाने के लिए यह अभियान चलाया गया है। कर्नाटक और मुंबई में इस तरह का एडवेंचर टूरिज्म बढ़ा है। मंत्री के कार रैली की तारीफ की है। सभी जिलों में एंबुलेंस की व्यवस्था है। जिलाधिकारियों को इसके बारे में जानकारी है। एक्सपर्ट की देखरेख में यह किया जा रहा है। मंत्री को बाइकर्स ने पौधा भेंटकर वेलकम किया।

चाइनीज मांझे के खिलाफ उन्नाव पुलिस का विशेष अभियान

पतंगबाजों के मांझे की जांच, प्रतिबंधित चाइनीज मांझे पर पुलिस की सख्ती

उन्नाव में चाइनीज मांझे के बढ़ते इस्तेमाल और उससे हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया है। रविवार को किला चौकी प्रभारी उग्रसेन के नेतृत्व में सदर कोतवाली क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों और खुले मैदानों में पतंग उड़ा रहे युवकों व किशोरों के मांझे की जांच की गई। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि कहीं प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का प्रयोग तो नहीं हो रहा है। चौकी प्रभारी उग्रसेन ने युवाओं से बातचीत कर उन्हें चाइनीज मांझे के खतरों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह मांझा अत्यधिक धारदार और जानलेवा होता है, जिससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और पक्षियों को गंभीर चोटें आ सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि चाइनीज मांझे का उपयोग करते पाए जाने या इसे रखने पर नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने युवकों को केवल सूती धागे या सुरक्षित मांझे का उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही, दुकानदारों को भी चेतावनी जारी की गई है कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचते पाए जाने पर उनके खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान चार दिन पहले हरदोई पुल पर हुई एक घटना के बाद तेज किया गया है। उस दौरान एक युवक तेज रफ्तार बाइक से गुजरते समय चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया था। मांझा उसके गले में फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार किया गया। इस घटना ने पुलिस प्रशासन को चाइनीज मांझे के खिलाफ कार्रवाई और सख्त करने पर मजबूर किया है। अभियान के दौरान, पुलिस टीम ने लोगों से अपील की कि यदि उन्हें चाइनीज मांझे की बिक्री या उपयोग के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो वे तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस का मानना है कि जनसहयोग से ही इस खतरनाक सामग्री के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। किला चौकी प्रभारी उग्रसेन ने दोहराया कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि चाइनीज मांझे के कारण हर साल कई लोग घायल होते हैं और पक्षियों की भी मौत हो जाती है। इसलिए सभी नागरिकों से अपील है कि प्रतिबंधित मांझे का प्रयोग न करें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम पोस्ट से मिली सूचना, उन्नाव पुलिस ने 12 मिनट में बचाई युवक की जान

उन्नाव। सोशल मीडिया पर साझा की गई आत्महत्या संबंधी पोस्ट पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्नाव पुलिस ने 20 वर्षीय युवक की जान बचा ली। पूरी कार्रवाई महज 12 मिनट के भीतर पूरी की गई। युवक ने देर रात इंस्टाग्राम पर आत्महत्या का संकेत देने वाला पोस्ट साझा किया था। शनिवार रात करीब 9 बजे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि 31 जुलाई की रात 12:19 बजे Meta की ओर से यूपी पुलिस सोशल मीडिया सेंटर को युवक की इंस्टाग्राम पोस्ट की सूचना मिली। मुख्यालय की टीम ने तत्काल युवक की लोकेशन ट्रेस कर इसकी जानकारी उन्नाव पुलिस को भेजी। एसएसपी के निर्देश पर मीडिया सेल ने थाना आसीवन पुलिस को तुरंत मौके पर भेजा। सूचना मिलने के महज 12 मिनट के भीतर पुलिस युवक के घर पहुंच गई और परिजनों को पूरे मामले से अवगत कराया। पुलिस जब युवक के कमरे में पहुंची तो वहां एक रस्सी और कीटनाशक से भरी बोतल मिली। युवक मानसिक तनाव में था। पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे सुरक्षित किया और परिजनों की मदद से उसकी काउंसलिंग शुरू कराई।

उन्नाव पुलिस की बड़ी सफलता, महिला से लूट का सामान बरामद

उन्नाव में कोतवाली सदर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए महिला से पर्स लूट की वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, पर्स, चाबी का गुच्छा और एक हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। रविवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने पूरे मामले का खुलासा किया। एसएसपी ने बताया कि 1 जुलाई 2026 को सिविल लाइंस क्षेत्र की कल्याणी देवी निवासी तारा सिंह पत्नी विश्राम सिंह सब्जी खरीदकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात युवक उनका पर्स छीनकर फरार हो गया था। पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि पर्स में रियलमी कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल, चाबी का गुच्छा, घड़ी और करीब 9,500 रुपये नकद रखे थे। इस संबंध में 2 जुलाई को कोतवाली सदर में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम को लगाया गया। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी की पहचान की। रविवार को चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने कांशीराम सुधापुरम कॉलोनी के पास से समीर पुत्र मोहम्मद सलीम, निवासी उम्मीदों का शहर, थाना कोतवाली सदर, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की तलाशी में पीड़िता का मोबाइल फोन और लूट के एक हजार रुपये बरामद किए। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर सुधापुरम स्थित मैदान के पास झाड़ियों से लूटा गया पर्स और चाबी का गुच्छा भी बरामद कर लिया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ वर्ष 2025 में भी कोतवाली सदर में एक आपराधिक मुकदमा दर्ज हो चुका है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

उन्नाव पुलिस ने 121 गुम मोबाइल किए बरामद, मालिकों को लौटाई खुशियां

उन्नाव पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 121 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन फोनों की अनुमानित कीमत 25 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने रविवार को इन मोबाइलों को उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिया, जिससे लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद पुलिस की सर्विलांस टीम और विभिन्न थानों की संयुक्त कार्रवाई में ये मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस विभाग के अनुसार, नागरिकों द्वारा गुम हुए मोबाइल फोन की शिकायतें भारत सरकार के सीईआईआर (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर दर्ज कराई गई थीं। इन शिकायतों के आधार पर, सर्विलांस टीम ने तकनीकी सहायता और विभिन्न थानों की मदद से मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की और लगातार अभियान चलाकर उन्हें बरामद किया। मोबाइल वापस मिलने पर कई लोगों ने अपनी खुशी जाहिर की। उनका कहना था कि उन्होंने अपने खोए हुए मोबाइल फोन के दोबारा मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की तत्परता से उन्हें उनका कीमती सामान वापस मिल सका। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पुलिस टीम की सराहना की और धन्यवाद व्यक्त किया। एसपी जय प्रकाश सिंह ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराना काफी प्रभावी साबित हो रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत संबंधित थाने और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि आधुनिक तकनीक और सर्विलांस की मदद से पुलिस लगातार अपराध नियंत्रण और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए काम कर रही है। उन्होंने बरामदगी में शामिल सर्विलांस टीम और सभी थाना प्रभारियों की सराहना की। आगे भी सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई जारी रहेगी और लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

उन्नाव: खेल अनुदेशक पर सेवा नियमों के उल्लंघन का आरोप, जांच समिति गठित

उन्नाव में सरकारी सेवा के दौरान सक्रिय रूप से वकालत करने के आरोपों में एक खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा अनुदेशक की विभागीय जांच शुरू हो गई है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की है। समिति को आरोपों की बिंदुवार जांच कर जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। मामला विकासखंड बिछिया के उच्च प्राथमिक विद्यालय दुआ में तैनात खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा अनुदेशक अमित द्विवेदी से जुड़ा है। लखनऊ निवासी शिकायतकर्ता भूपेन्द्र सिंह पुन्न नरेश ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को भेजी शिकायत में आरोप लगाया है कि अमित द्विवेदी उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हैं और सरकारी सेवा में रहते हुए उन्नाव की विभिन्न अदालतों में नियमित रूप से मुकदमों की पैरवी कर रहे हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि सरकारी कर्मचारी रहते हुए अधिवक्ता के रूप में सक्रिय रहना सेवा नियमों और बार काउंसिल के प्रावधानों का उल्लंघन है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस संबंध में पहले भी विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। प्रार्थना पत्र में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि अनुदेशक सरकारी सेवा के दौरान किसी अन्य व्यवसाय या पेशे में संलग्न नहीं रह सकते।

उन्नाव में संगठन को मिली नई टीम, पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

उन्नाव में 'नर सेवा नारायण सेवा समिति' ने संगठन विस्तार के तहत उन्नाव में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। रविवार दोपहर हुई घोषणा के अनुसार, संस्था के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष विमल द्विवेदी ने राकेश राजपूत को उन्नाव का जिलाध्यक्ष और अजय त्रिवेदी को जिला प्रभारी नियुक्त किया है। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। ये नई नियुक्तियां संस्था की एक बैठक के दौरान की गईं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विमल द्विवेदी ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है। द्विवेदी ने विश्वास व्यक्त किया कि राकेश राजपूत और अजय त्रिवेदी के नेतृत्व में संस्था जनपद में सामाजिक, धार्मिक और राष्ट्रहित के कार्यों को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा के अनुरूप निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में आगामी 13 अगस्त को आयोजित होने वाली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने यात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की और विभिन्न जिम्मेदारियां तय कीं। सभी कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कर यात्रा को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

2027 चुनाव से पहले बसपा में बड़ा फेरबदल, मायावती ने बदली कई पदाधिकारियों की जिम्मेदारी

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने संगठन में बदलाव किए। अशोक सिद्धार्थ को प्रभार से हटाया गया और स्पष्ट किया कि उम्मीदवार चयन का अंतिम फैसला वही लेंगी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच बहुजन समाज पार्टी ने संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रीय स्तर पर कई पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां बदल दी हैं। सबसे बड़ा फैसला उनके भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को लेकर लिया गया, जिन्हें चार राज्यों के प्रभारी पद से हटा दिया गया है। वहीं, मायावती ने यह भी साफ कर दिया कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम फैसला वही लेंगी और इस जिम्मेदारी को लेकर फैलाए जा रहे सभी भ्रम पूरी तरह गलत हैं। बसपा ने संगठन को मजबूत करने के लिए नई जिम्मेदारियां तय की हैं। राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर और मध्य प्रदेश प्रभारी राजाराम को अब केरल, गुजरात और कर्नाटक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम को दिल्ली में संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा रामजी गौतम को पंजाब प्रभारी पद से हटाकर रणधीर सिंह बेनीवाल को पंजाब की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मायावती ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी अब तक लगभग 25 सीटों पर उम्मीदवार तय कर चुकी है। लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में कई राज्य स्तरीय बैठकें हो चुकी हैं और आगे भी होंगी। इन बैठकों में प्रदेश और मंडल स्तर के पदाधिकारियों को उम्मीदवार चयन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मायावती ने अपने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि साक्षात्कार लेकर अब तक लगभग दो दर्जन से ज्यादा उम्मीदवार तय कर दिए गए हैं, आगे भी सभी सीटों पर उम्मीदवारों का अंतिम फैसला मेरे द्वारा ही किया जाएगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि उम्मीदवार चयन को लेकर राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के संबंध में फैलाई जा रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। मायावती ने कहा कि न सिर्फ उप्र में, बल्कि पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप मैं ही देती हूं। हाल के दिनों में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि आकाश आनंद को उम्मीदवारों के चयन की जिम्मेदारी दी गई है। मायावती ने इन खबरों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों का अंतिम फैसला वही करती हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में इस संबंध में फैलाए जा रहे भ्रम पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। इससे साफ है कि साल 2027 के चुनाव में उम्मीदवारों के चयन से लेकर संगठन की रणनीति तक अंतिम निर्णय मायावती के हाथ में ही रहेगा।

श्रावस्ती में भिनगा विधायक इन्द्राणी वर्मा की फॉर्च्यूनर कार ,नीलगाय से टकरा गई

यूपी के श्रावस्ती में भिनगा विधायक इन्द्राणी वर्मा की फॉर्च्यूनर कार रविवार को बहराइच-लखनऊ मार्ग पर अचानक सामने आई नीलगाय से टकरा गई। हादसा इतना जोरदार था कि वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि गाड़ी में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।जानकारी के अनुसार, विधायक इन्द्राणी वर्मा लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में शामिल होने जा रही थीं। वाहन में उनके साथ पति ज्ञान प्रकाश कैराती, चालक समेत कुल चार लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक सड़क पर नीलगाय आ जाने से चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और फॉर्च्यूनर सीधे नीलगाय से टकरा गई। टक्कर के बाद घटनास्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क किनारे सुरक्षित कराया गया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।घटना के बाद विधायक इन्द्राणी वर्मा एवं उनके साथ मौजूद सभी लोग दूसरी गाड़ी से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। यह हादसा एक बड़े सड़क दुर्घटना में बदल सकता था, लेकिन सभी के सुरक्षित रहने से परिजनों, समर्थकों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। एक निजी स्कूल के प्रबंधक मशकूर हबीब ने विधायक के लिए दूसरे वाहन की व्यवस्था कराई। इसके बाद वह अन्य लोगों के लिए लखनऊ रवाना हो गईं। विधायक ने बताया कि सड़क पर अचानक नीलगाय आने की वजह से वाहन टकरा गया था। सभी लोग सुरक्षित हैं। किसी को गंभीर चोट नहीं आई है।

मायावती ने अपने ही समधी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले फुल एक्शन में आ गई हैं। उन्होंने पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद और अपने समधी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाल दिया है। इसके अलावा BSP ने सहारनपुर निवासी और पार्टी कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल पर भी कार्रवाई की गई है। इससे पहले मायावती अशोक सिद्धार्थ को 2025 में भी पार्टी से बाहर कर चुकी हैं। अशोक सिद्धार्थ के बाद मायावती ने पिछले साल अपने भतीजे आकाश आनंद को भी पार्टी से निकाल दिया था। माफ़ी मांगने के बाद अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद को पार्टी में वापस लिया था। मायावती ने अपने इस एक्शन की जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर दी है। उन्होंने एक लंबे पोस्ट में अशोक सिद्धार्थ पर पहले भी लिए गए एक्शन का जिक्र किया है। मायावती ने लिखा कि यह बात सभी लोग जानते हैं कि पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ अशोक सिद्धार्थ, पूर्व सांसद को महाराष्ट्र के चुनाव में ख़ासकर पार्टी टिकट के बंटवारे को लेकर बी.एस.पी. महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष आदि के साथ सही से तालमेल करके नहीं चलने की वजह से अनुशासनहीनता व दिशा-निर्देश का उल्लंघन करने पर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था तथा उन्हें दोबारा पार्टी में इस शर्त के साथ वापस लिया गया था कि वे दोबारा ऐसी ग़लती नहीं करेंगे और साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश में कहीं पर भी नहीं, बल्कि केवल दूसरे राज्यों में ही पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की ज़िम्मेदारी दी जायेगी। मायावती ने आगे लिखा-पार्टी में दोबारा वापसी के बाद जिन भी राज्यों की ज़िम्मेदारी बीएसपी कोआर्डिनेटर के रूप में अशोक सिद्धार्थ को दी गई वहां इन्होंने अपनी ज़िम्मेदारी को सही से नहीं निभाया। केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि उड़ीसा व पश्चिम बंगाल इन राज्यों से भी इनकी अनुशासनहीनता अर्थात् पार्टी के दिशा-निर्देश के उल्लंघन की ख़बरें लगातार आते रहने के फलस्वरूप इनको बार-बार चेतावनी देने के बावजूद भी इनमें सुधार नहीं आने की वजह से शनिवार को अशोक सिद्धार्थ को पार्टी की सभी ज़िम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था।

कांवड़ यात्रा के चलते गाजियाबाद में बदला रोडवेज का रूट प्लान

कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए परिवहन निगम ने रोडवेज बसों का संचालन पूरी तरह बदल दिया है।12 अगस्त तक दिल्ली-मेरठ रोड और शहर के अंदर किसी भी मार्ग से बसों का संचालन नहीं होगा। सभी बसों को शहर के बाहर से तय किए गए वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया गया है। यात्रियों को सफर से पहले अपने रूट की जानकारी लेकर ही बस पकड़ने की सलाह दी गई है। परिवहन निगम के अनुसार, सीमापुरी बॉर्डर और तुलसी निकेतन की ओर से आने वाली कोई भी बस शहर में प्रवेश नहीं करेगी। इन बसों को दिलशाद गार्डन, दिल्ली-गाजीपुर मंडी और यूपी गेट होते हुए एनएच-9 पर भेजा जाएगा। इसके बाद बसें डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, हापुड़ से गंगा एक्सप्रेसवे और अक्षरधाम से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंचेंगी। बुलंदशहर से गाजियाबाद आने वाली सभी बसों को लालकुआं से आगे शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा। इनका संचालन लालकुआं से ही किया जाएगा। वहीं आनंद विहार और कौशांबी डिपो से शहर की ओर आने वाली बसों को भी दिल्ली-गाजीपुर मंडी, यूपी गेट, एनएच-9 और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के रास्ते गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। इससे शहर के अंदर बसों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। वैकल्पिक मार्गों से संचालन होने के कारण बसों को पहले के मुकाबले अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है। इसका असर किराए पर भी पड़ा है। कश्मीरी गेट से हरिद्वार जाने वाली रोडवेज बस का किराया 386 रुपये से बढ़कर 444 रुपये हो गया है।